

दिन #5

उत्पत्ति 1:20-25

क्विज़ डाउनलोड करें उत्तर डाउनलोड करें

अब तक हमने सृष्टि के पहले चार दिनों को देखा है:

1. समय, स्थान, पदार्थ
2. पानी, वायुमंडल, जल आवरण
3. पानी और भूमि अलग हुए, वनस्पति
4. सूरज, चाँद, तारे

दिन 5

²⁰ तब परमेश्वर ने कहा, “जल, अनेक जलचरों से भर जाए और पक्षी पृथ्वी के ऊपर वायुमण्डल में उड़ें।” ²¹ इसलिए परमेश्वर ने समुद्र में बहुत बड़े—बड़े जलजन्तु बनाए। परमेश्वर ने समुद्र में विचरण करने वाले प्राणियों को बनाया। समुद्र में भिन्न—भिन्न जाति के जलजन्तु हैं। परमेश्वर ने इन सब की सृष्टि की। परमेश्वर ने हर तरह के पक्षी भी बनाए जो आकाश में उड़ते हैं। परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।

²² परमेश्वर ने इन जानवरों को आशीष दी, और कहा, “जाओ और बहुत से बच्चे उत्पन्न करो और समुद्र के जल को भर दो। पक्षी भी बहुत बढ़ जाएं।”

²³ तब शाम हुई और सवेरा हुआ। यह पाँचवाँ दिन था।

- उत्पत्ति 1:20-23

यहाँ सृष्टि के विभिन्न स्तरों के बारे में एक भेद है। अब तक सभी सृष्टि की वस्तुओं में चेतना नहीं है। पदार्थ और वनस्पति परिवर्तनशील, उपयोगी आदि हैं लेकिन उनमें चेतना नहीं है। पाँचवें दिन परमेश्वर ने जीवों को बनाया जिनमें जीवन (आत्मा) है और इस संदर्भ में, एक निश्चित चेतना है। वे पहले से मौजूद जीवन रूपों से उच्चतर हैं। पाँचवें दिन परमेश्वर ने वे जीव बनाए जो जल और वायु में निवास करेंगे।

इन प्राणियों की सृष्टि के बारे में कुछ बातें ध्यान देने योग्य हैं:

1. विकास कहता है कि एक नाजुक प्रोटोप्लाज्म का एक टुकड़ा लाखों साल पहले एक विद्युत बल के प्रभाव में आकर बन गया। उत्पत्ति कहती है कि जल में अचानक जीवित प्राणी भर गए और आकाश पक्षियों से भर गया।

2. यह पहली बार है जब जीवन (आत्मा) शब्द प्रकट होता है और यह उस चेतना की गुणवत्ता को दर्शाता है जो पशुओं और मनुष्यों के पास होती है, जो पौधों और पत्थरों के पास नहीं होती। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सृष्टि की दूसरी प्रमुख कृति है।

- पहले समय, स्थान और ऊर्जा युक्त पदार्थ की वास्तविकता को अस्तित्व में लाया गया। इसे आकार दिया गया और व्यवस्थित किया गया।
- अब "चेतना" की वास्तविकता को अस्तित्व में लाया गया है, जो प्रारंभ में जल और वायु जीवों में डाली गई।

3. विशिष्ट जानवरों का उल्लेख किया गया है। हिब्रू शब्द "TANNIN" का अनुवाद समुद्री दानव या ड्रेगन के रूप में भी किया गया है। बाइबल में ड्रेगन या समुद्री दानवों के संदर्भ इसी शब्द से आते हैं। इसमें व्हेल शब्द भी शामिल होगा, जो आज हम परिचित जीव है।

4. ये प्रजनन के लिए तैयार बनाए गए हैं। फिर से कहा गया है कि उनके पास प्रजनन करने की शक्ति थी और आधुनिक डीएनए अनुसंधान के अनुसार इसका मतलब होगा कि प्रजाति के भीतर विविधता हो सकती है लेकिन व्हेल कुत्ते नहीं बनीं, जब तक कि उन्हें मूल रूप से ऐसा बनने के लिए न बनाया गया हो। हम कुछ जीवों में विकासात्मक संक्रमण देखते हैं जो वास्तव में इस विशेष तरीके से कार्य करने के लिए बनाए गए थे (जैसे टॉडपोल से मेंढक या कैटरपिलर से तितली)।

5. परमेश्वर अपनी सृष्टि को आशीर्वाद देते हैं। परमेश्वर यह घोषित करते हैं कि जो वे देखते हैं वह अच्छा है और साथ ही इन जीवों पर आशीर्वाद भी देते हैं (जो उन्होंने पहले नहीं किया था)। इनका कार्य फलना-फूलना, बढ़ना, और अपने आवासों को भरना है (यह वही आज्ञा है जो बाढ़ के बाद भी दी गई थी)। बाइबल के अन्य स्थानों पर हम देखते हैं कि परमेश्वर निरंतर इस सृष्टि के इस भाग की देखभाल और व्यवस्था करते हैं। मत्ती 6:26 में कहा गया है, "आसमान के पक्षियों को देखो, वे न बोते हैं, न काटते हैं, न खलिहानों में जमा करते हैं, और फिर भी तुम्हारा स्वर्गीय पिता उन्हें खिलाता है।" पर्यावरण संरक्षण के लिए सबसे अच्छा तर्क यह नहीं है कि यदि हम सावधान नहीं रहे तो हम विलुप्त हो जाएंगे (यह शक्ति परमेश्वर के पास है, मनुष्य के पास नहीं)। सबसे अच्छा तर्क यह है कि हम परमेश्वर के साथ साझेदार हैं जो उनकी सृष्टि को बनाए रखने और प्रबंधित करने में हैं, और यह हमारी जिम्मेदारी के साथ-साथ विश्वास का एक कार्य भी है।

उत्पत्ति सामान्य विकासवादी क्रम के विपरीत है:

विकासउत्पत्ति - समुद्री जीव

- भूमि के पौधे

- पक्षी - भूमि के पौधे
- समुद्री जीव
- और पक्षी

इसके अलावा, उत्पत्ति कहती है कि सबसे बड़े समुद्री जीव पहले बनाए गए थे, विकासवाद कहता है कि प्रणाली सबसे छोटे से सबसे बड़े की ओर जाती है।

दिन 6

²⁴ तब परमेश्वर ने कहा, “पृथ्वी हर एक जाति के जीवजन्तु उत्पन्न करे। बहुत से भिन्न जाति के जानवर हों। हर जाति के बड़े जानवर और छोटे रेंगनेवाले जानवर हों और यह जानवर अपनी जाति के अनुसार और जानवर बनाएं” और यही सब हुआ।

²⁵ तो, परमेश्वर ने हर जाति के जानवरों को बनाया। परमेश्वर ने जंगली जानवर, पालतू जानवर, और सभी छोटे रेंगनेवाले जीव बनाए और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।

- उत्पत्ति 1:24-25

ईश्वर उस पैटर्न का पालन करते हैं जिसे उन्होंने पहले स्थापित किया है। पहले वे अंतर्निहित या आवश्यक वस्तु बनाते हैं और फिर उस पर निर्माण करते हैं। उदाहरण के लिए, प्रकाश और फिर प्रकाश देने वाले शरीर। इस मामले में वे संवेदी जीवन, या सचेत जीवन (समुद्री और पक्षी) बनाते हैं, अब वे इस जीवन के अन्य रूप बनाते हैं, जानवर। इसलिए यह पद कहता है कि वे जानवरों को बनाते हैं, न कि रचते हैं। उन्होंने पहले ही सचेत जीवन रूप बनाए हैं, अब वे एक और प्रकार बनाते हैं जो भूमि पर जीवित रहे।

भूमि के जानवरों को आधुनिक वैज्ञानिक प्रणालियों (उभयचर, सरीसृप, स्तनधारी, कीट) के समान वर्गीकृत नहीं किया गया है। उन्हें केवल तीन प्राकृतिक श्रेणियों में दिया गया है:

1. पशु – घरेलू जानवर (केवल गायें नहीं)। हिब्रू शब्द किसी भी चार-पैर वाले जानवर को संदर्भित करता था।
2. जंगली जानवर – उन बड़े आकार के जानवरों को संदर्भित करता था जो सामान्यतः घरेलू उपयोग के लिए नहीं होते थे। जंगली जानवर। संभवतः डायनासोर शामिल हैं।
3. रेंगने वाले जीव – कीट, छोटे सरीसृप, उभयचर, छोटे जानवर जैसे कि खरगोश, चूहे आदि।

जानवरों की सृष्टि के संबंध में कुछ बातें ध्यान देने योग्य हैं:

1. उत्पत्ति की कथा विकासवादी कथा के विपरीत है:

विकासउत्पत्ति 1. कीड़े

2. उभयचर

3. सरीसृप

4. स्तनधारी 1. सभी एक साथ बनाए गए हैं

वास्तव में, विकास की दृष्टि में कीड़े और अन्य जीव पक्षियों से पहले आते हैं और उत्पत्ति में पक्षी पहले आते हैं और ये बाद में।

2. कुछ लोग कहते हैं कि डायनासोर और मनुष्य एक साथ अस्तित्व में नहीं हो सकते, लेकिन उत्पत्ति में उनकी सृष्टि छठे दिन मनुष्य के साथ बताई गई है और कई बार ऐसे उदाहरण मिले हैं जहाँ डायनासोर के पदचिह्न और मनुष्य के पदचिह्न एक ही स्थान पर, एक-दूसरे के बगल में पाए गए हैं।

3. यहाँ कोई "सबसे योग्य का जीवित रहना" नहीं हो रहा है। परमेश्वर देखता है कि जो उसने बनाया है वह अच्छा है, अस्तित्व के लिए कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है।

4. इन सभी के पास "आत्माएं" या चेतना होती है और वे उन तत्वों से बने होते हैं जो पहले से मौजूद हैं और जिनमें वे मरने पर लौटेंगे।

पृथ्वी अब परमेश्वर की अंतिम सृष्टि कृति के लिए तैयार है। यह मनुष्य की उनकी सृष्टि होगी।

क्विज़ डाउनलोड करें उत्तर डाउनलोड करें